पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
सलमान के गाने पर थिरकीं ऐश्वर्या राय

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 46 ■ अंक : 7 ■ मंगलवार 10 मार्च 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

सफाई कर्मचारी की दिनदहाड़े हत्या

- उल्हासनगर में कोणार्क कंपनी में था कार्यरत
- आरोपी गुप्ता गिरफ्तार
- घटना सीसीटीवी में कैद
- आरोपी दुर्गेश गुप्ता पर है कई अपराधिक मामले
- उल्हासनगर-3 की घटना
- शहर में नशेड़ियों का आतंक बढ़ा

उल्हासनगर. उल्हासनगर 3 स्थित 20 सेक्शन, बैरक नं. 896 क्षेत्र में एक सफाई कर्मचारी की दिनदहाड़े हत्या की सनसनीखेज वारदात घटी है। पूर्व नगरसेविका इंदिरा उदासी के घर के सामने एक नशे में धुत युवक दुर्गेश गुप्ता ने महादू जगताप पर 30 से 35 चाकू से वार कर दिया। इस हमले में महादू जगताप की मौके पर ही मौत हो गई।

यह घटना 9 मार्च की सुबह 11.53 बजे की है तब सभी लोग अपने घरों में काम कर रहे थे कि गुप्ता ने जगताप पर सपासप वार किए मौजूद महिलाओं ने रोकने की भी कोशिश की। लेकिन दुर्गेश ने हमला नहीं रोका। मृतक महादू जगताप उल्हासनगर कॅम्प 1 के शहाड गावठाण क्षेत्र के निवासी थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, महादू जगताप कोणार्क एनवायरो कंपनी में सफाई कर्मचारी के रूप में कार्यरत थे और पैनल नंबर 11 में काम पर थे। इसी दौरान यह घटना घटित हुई। दोनों के बीच कुछ वर्षों से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि पूरी घटना आसपास लगे CCTV कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी दुर्गेश गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। दिनदहाड़े हुई इस घटना से पूरे इलाके में खलबली मच गई है।

घटना की सूचना मिलते ही मध्यवर्ती पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शंकर अवताडे पुलिस टीम के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। फॉरेन्सिक टीम भी मौके पर पहुंचकर पंचनामा कर रही है और मामले की आगे की जांच जारी है। वहीं घटना की खबर मिलते ही कोणार्क कंपनी के बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी सेंट्रल अस्पताल में जमा हो गए, जिससे वहां का माहौल काफी भावुक और तनावपूर्ण हो गया और सभी ने आरोपियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है।

आरोपी दुर्गेश गुप्ता का एक और पुराना वीडियो सामने आया है जिसमें उस आरोपी ने 6 जून 2025 को वहां से गुजर रहे एक निर्दोष वाहन चालक रोशन सचदेव को बिना मतलब रोककर उस पर चाकू से कई वार किए थे जिसके लिए उसे सेंट्रल पुलिस द्वारा गिरफ्तार भी किया गया था।

केमिकल कंपनी में विस्फोट के बाद लगी भीषण आग

- अग्निशमन दल की 5 गाड़ियां आग बुझाने में जुटीं
- कई किलोमीटर तक फैला काला धुआं

अंबरनाथ. अंबरनाथ के आनंद नगर औद्योगिक क्षेत्र के एक कंपनी में भयंकर आग लगने से यहां पर भगदड़ मच गई थी. अग्निशमन दल की 5 गाड़ियां आग को बुझा रही हैं. कंपनी का नाम श्री गणेश केमिकल कंपनी बताया गया है. ये कंपनी नक्षत्र होटल के पीछे हैं. आग कैसे लगी ये पता नहीं चल सका है. कंपनी में उस समय कितने मजदूर काम कर रहे थे ये भी मालूम नहीं चल सका है. आग की लपटें दूर-दूर तक देखी गई. कई किलोमीटर तक काला धुआं आसमान में फैल गया था. ये एक केमिकल कंपनी है, जिसमें आग लगी है. कंपनी जलकर स्वाहा हो गई है. विस्फोट की आवाजें भी लोगों ने सुनी हैं. लोगों को यहां वहां भागते देखा गया. पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई थी. आनंद नगर एमआईडीसी में सैकड़ों कंपनियां हैं, जो सुरक्षा उपाय के नियमों को ताक पर रखकर चलाई जा रही हैं.

अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर, केडीएमसी अग्निशमन दल के कर्मचारी आग को काबू में करने का प्रयत्न करते देखे गए. कोई जीवित हानि नहीं हुई है या नहीं ये मालूम नहीं पड़ सकता है. आसपास की कंपनियों को भी आग

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) में भाजपा गट नेता कक्ष का उद्‌घाटन सोमवार को पूर्व मंत्री जगन्नाथ पाटील के हाथों किया गया। इस अवसर पर भाजपा गट नेता और नगरसेवक शशिकांत कांबले का शाल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया तथा उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

श्रीराम चौक पर नशेड़ियों का आतंक

- श्रीराम चौक पर अवैध धंधों की भरमार
- घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद
- चौक पर डांस बार धड़ल्ले से चालू
- मुफ्त में चाय देने से मना करने पर गुंडागर्दी

उल्हासनगर. उल्हासनगर के श्रीराम चौक स्थित तबेला चाय वाले की दुकान पर 6 मार्च की रात उस समय हंगामा मच गया, जब कुछ नशे में धुत युवकों ने फुकट में चाय देने की मांग की। दुकानदार द्वारा मुफ्त में चाय देने से मना करने पर तीन से चार नशेड़ियों ने दुकानदार के साथ मारपीट की और दुकान के बाहर तोड़फोड़ कर दी।

बताया जा रहा है कि आरोपियों ने दुकानदार को धमकाते हुए कहा, "पुलिस को बुलाओ, पुलिस क्या कर लेगी।" इसके बाद आरोपियों ने दुकान के बाहर रखे सामान में भी तोड़फोड़ की। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद परिसर में डर का माहौल है। इस मामले में अब देखना यह होगा कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ क्या कार्रवाई करती है। ज्ञात हो कि श्रीराम चौक पर डांस बार और अवैध धंधों की भरमार है जिस कारण यहां गुंडा प्रवृत्ति के लोग देर रात पाए जाते हैं पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए।

प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन की जिम्मेदारी प्राइवेट सेक्टर पर

- बकायेदारों की उदासीनता के कारण लिया गया फैसला
- 811 करोड़ रुपये का प्रापर्टी टैक्स बकाया
- टैक्स कलेक्शन मनपा के लिए बना चुनौती

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा इलाके में बकाया प्रॉपर्टी टैक्स के मुकाबले असल कलेक्शन बहुत कम होने का सिलसिला इस साल भी जारी रहा है। इस वजह से महानगर पालिका का बकाया सीधे 811 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। प्रॉपर्टी टैक्स भरने के लिए अलग-अलग मीडिया के ज़रिए लोगों से अपील करने, रियायती स्कीम लागू करने और खास कैंपेन चलाने के बावजूद उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है, जिससे महाानगर पालिका की आय पर असर पड़ रहा है। इसलिए, अब मनपा प्रशासन प्रॉपर्टी मालिकों से बातचीत करके और उन्हें गाइड करके टैक्स वसूलने की कोशिश करेगा।

इसके लिए एक प्राइवेट संस्था को भी रखा गया है। हालांकि, सवाल यह उठता है कि पेनल्टी और ज़ब्त करने की चेतावनी के बावजूद टैक्स न भरने वाले बकायादार गाइडेंस के साथ टैक्स भरेंगे या नहीं।

पिछले कुछ सालों में देखा गया है कि उल्हासनगर मनपा में प्रॉपर्टी टैक्स के बकाया की रकम महानगर पालिका के बजट के बराबर है। व्यावसायिक शहर और करोड़ों के टर्नओवर वाले इस शहर में टैक्स कलेक्शन हमेशा कम रहा है। अभी महानगर पालिका का बकाया 811 करोड़ है और इस साल की कुल टैक्स डिमांड 86 करोड़ है। इस साल महानगर पालिका 73 करोड़ जमा करने में सफल रही है। इसी वजह से मनपा प्रशासन ने पिछले कुछ सालों में सख्त रुख अपनाया है। हालांकि, उसके बाद भी टैक्स कलेक्शन ठीक-ठाक नहीं रहा है। इसलिए अब मनपा प्रशासन ने एक नया एक्सपेरिमेंट करने का प्लान बनाया है।

नागरिकों को किया जाएगा गाइड

उल्हासनगर मनपा ने बकाया प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन बढ़ाने के लिए एक प्राइवेट संस्था को हायर करने का फैसला किया है। इसके मुताबिक, मेसर्स अद्यंता B2B सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को प्रॉपर्टी टैक्स बकाया वालों से संपर्क करने और कलेक्शन प्रोसेस में तेजी लाने की जिम्मेदारी दी गई है। यह संस्था बकाया टैक्सपेयर्स से फोन पर संपर्क करेगी और उन्हें प्रॉपर्टी टैक्स भरने के बारे में गाइड करेगी। साथ ही, टैक्स भरने के अलग-अलग तरीकों, ऑनलाइन या खुद जाकर जानकारी दी जाएगी। अगर टैक्सपेयर्स किसी तय तारीख पर टैक्स भरने के लिए तैयार हैं, तो संबंधित व्यक्ति के पास जाकर रकम जमा करने का प्रोसेस भी किया जाएगा। अगर टैक्स नहीं भर पाते हैं, तो उनसे दोबारा संपर्क करके फॉलो-अप का काम भी इस संस्था के ज़रिए किया जाएगा। इस काम के लिए संस्था के प्रतिनिधि नागरिकों से संपर्क करने के लिए कुछ मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करेंगे। टैक्स असेसर और कलेक्टर नीलम कदम ने बताया कि इन नंबरों 7030054808, 7218048302, 7350358426, 8308014403 और 8408002563 पर कॉल करके नागरिकों को प्रॉपर्टी टैक्स भरने के बारे में जानकारी दी जाएगी और गाइड किया जाएगा।

नागरिकों से अपील

उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन नंबरों से आने वाले कॉल्स पर पॉजिटिव जवाब दें, ताकि प्रॉपर्टी टैक्स का बकाया वसूलने में आसानी हो और महानगरपालिका का रेवेन्यू बढ़े। हालांकि, सवाल यह उठता है कि क्या टैक्स डिफॉल्टर ज़ब्ती करने और पेनल्टी की धमकी के बावजूद गाइडेंस के साथ अपना टैक्स भरेंगे।

उबर कार ड्राइवर का मर्डर

- इंजीनियरिंग स्टूडेंट गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण-मुरबाड हाईवे पर गोवेली गांव की सीमा में टिटवाला के पास सड़क किनारे एक उबर कार खून से लथपथ छोड़ी गई थी। उबर कार ड्राइवर गायब था। इस मामले में, टिटवाला और ठाणे अंडरकवर पुलिस की जांच में पता चला कि उबर कार ड्राइवर का मर्डर एक इंजीनियरिंग स्टूडेंट ने किया था। पुलिस ने स्टूडेंट को अरेस्ट कर लिया है।

कल्याण-मुरबाड रोड पर गोवेली गांव की सीमा में टिटवाला इलाके में सड़क किनारे एक उबर कार खड़ी थी। अंदर खून था। कार ड्राइवर गायब था। शनिवार को टिटवाला पुलिस को सूचना मिली कि गोवेली के पास जंगल में एक आदमी की लाश सड़ी-गली हालत में पड़ी है। लाश उबर कार से कुछ दूरी पर मिली थी। इसलिए, पुलिस को लगा कि यह लाश उबर कार ड्राइवर की है।

ठाणे के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर संदीप गीते, पुलिस इंस्पेक्टर भाऊसाहेब चव्हाण और टिटवाला पुलिस ने मिलकर मामले की जांच शुरू की। क्योंकि कार उबर कंपनी से जुड़ी थी, इसलिए पुलिस ऑफिसर गायकवाड़ ने कार के नंबर से कार के मालिक का पता लगाया कि वह दिन में कहां और कैसे घूमता था। पिछले दो दिनों में इस कार में कितने पैसेंजर रजिस्टर हुए थे और कितने लोग सफर कर चुके थे। उन्होंने इस सफर में आखिरी पैसेंजर की तलाश की।

उस समय पुलिस जांच में पता चला कि इस कार का आखिरी रजिस्ट्रेशन आदर्श भालेराव नाम के एक युवक ने कराया था। वह इंजीनियरिंग के दूसरे साल में पढ़ रहा है। पुलिस ने उसके मोबाइल नंबर से उसका पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ में पता चला कि आदर्श ने ही उबर कार ड्राइवर नासिर अंसारी की हत्या की थी। पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया।

गुरुवार को ठाणे के कुछ इलाकों में पानी नहीं

ठाणे. ठाणे मनपा के उथलसर प्रभाग समिति क्षेत्र अंतर्गत सिद्धेश्वर पानी टंकी में नई पानी की पाइपलाइन पर काम चल रहा है. इसलिए कुछ इलाकों में पानी की सप्लाई कुछ समय के लिए बंद रहेगी. इस काम के लिए, गुरुवार, 12 मार्च को सुबह 9.00 बजे से शुक्रवार 13 मार्च को सुबह 9.00 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रहेगी.

पानी सप्लाई बन रहने के दौरान उथलसर प्रभाग समिति क्षेत्र में सिद्धेश्वर तालाब एरिया, रमाबाई अंबेडकर नगर, गणेशवाड़ी, नितिन कंपनी, पांच पाखड़ी, सरोवर दर्शन, चंदनवाड़ी, हंसनगर, सिंहनगर, खोपट, फ्लावर वैली, शेलार पाड़ा, गोकुलदासवाड़ी, कोलबाड , गोकुलनगर एरिया के साथ-साथ नौपाड़ा प्रभाग समिति क्षेत्र में पांचपाखड़ी, चंदनवाड़ी, मनपा एरिया, चरई, धोबिआली सहित अन्य इलाके में पानी की सप्लाई बंद रहेगी

सेंचुरी रेयान स्कूल के पास गड्ढे में गिरी कार

- स्थानीय लोगों ने 5 लोगों को बचाया

उल्हासनगर. रविवार सुबह करीब 8 बजे कैंप नंबर 1 में सेंचुरी रेयॉन स्कूल के सामने एक हादसा हुआ. एक फोर-व्हीलर सड़क किनारे खोदी गई गहरे गड्ढे में गिर गया। कार में एक महिला समेत पांच लोग सवार थे। अचानक कार का कंट्रोल खो गया और वह सीधे गड्ढे में गिर गई, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई।

घटना का पता चलते ही इलाके के स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और कार में सवार लोगों को निकालने में मदद की। लोगों की फुर्ती की वजह से कार में सवार सभी पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका। इस हादसे में यात्रियों को मामूली चोटें आईं और एक बड़ा हादसा टल गया।

इस बीच, लोग मांग कर रहे हैं कि प्रशासन तुरंत सावधानी बरतें क्योंकि सड़क किनारे खोदे गए गड्ढों को ठीक से बंद न करने की वजह से ऐसे हादसों की आशंका बढ़ जाती है।

चाकू से हमला, 4 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे. शहर के शिलफाटा क्षेत्र में एक युवक और उसके भाई पर चाकू और हाथ-पैर से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, खान कंपाउंड परिसर, शिलफाटा निवासी मोहम्मद हारून उस्मान शेख (21) ने शिकायत दर्ज कराई है कि 8 मार्च 2026 की रात करीब 10 बजे वह अपने घर जा रहा था।इसी दौरान कसवा प्लाजा बिल्डिंग के पास आरोपी अख्तर और उसके साथी मौजूद थे। बातचीत के बहाने उसे एम.एस. कंपाउंड के माहिनूर बिल्डिंग के पास बुलाया गया।वहां पहुंचते ही आरोपियों ने उससे पूछा कि उसने पुलिस में शिकायत क्यों की। इसके बाद आरोपी अख्तर ने उसे थप्पड़ मारा और सलमान, समीर तथा मूसा ने मिलकर हाथ-पैर से मारपीट शुरू कर दी।आरोप है कि अख्तर ने अपने पास मौजूद चाकू की मूठ से उसके सिर पर दो बार वार किया, जिससे उसके सिर में चोट लगी और खून बहने लगा।

उल्हास-कालू नदी प्रदूषण की चपेट में

- मछली की कमी से गांव के मछुआरों की रोजी-रोटी पर काले बादल छाए

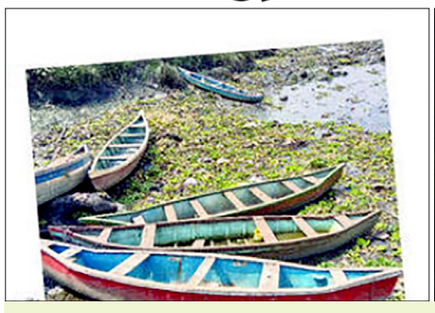

टिटवाला. कल्याण तालुका की उल्हास और कालू नदियां, जो कभी मछलियों से भरपूर थीं, अब बहुत ज़्यादा प्रदूषण की चपेट में हैं. जिसका सीधा असर इन नदियों पर निर्भर सैकड़ों गांव के मछुआरों की ज़िंदगी पर पड़ रहा है। इंडस्ट्रियल वेस्ट, गांवों से सीधे नदी में डाले जाने वाले सीवेज और बढ़ते प्लास्टिक कचरे की वजह से नदी का पानी दिन-ब-दिन और ज़्यादा प्रदूषित होता जा रहा है। इस वजह से नदी में जलजीवों पर बहुत बुरा असर पड़ा है, और मछलियों की संख्या में भी काफी कमी आई है। इस स्थिति ने उन मछुआरा परिवारों के लिए पैसे की तंगी पैदा कर दी है जो पीढ़ियों से नदी पर अपना गुज़ारा कर रहे हैं।

कल्याण तालुका के कई गांव के गांवों में बड़ी संख्या में मछुआरे हैं, जो पारंपरिक रूप से मछली पकड़कर अपना गुज़ारा करते हैं। उल्हास और कालू नदियां कई सालों से इन परिवारों का गुज़ारा करती थीं। मछुआरों के घर का गुज़ारा नदी से अलग-अलग तरह की मछलियां पकड़कर और उन्हें लोकल मार्केट में बेचकर होता था। लेकिन, पिछले कुछ सालों में बढ़े प्रदूषण की वजह से नदी के पानी की क्वालिटी तेज़ी से खराब हुई है। मछुआरों का कहना है कि जो मछलियाँ पहले आसानी से मिल जाती थीं, वे अब बहुत कम मात्रा में मिल रही हैं क्योंकि प्रदूषित पानी मछलियों के प्रजनन की प्रक्रिया पर असर डालता है।

मछुआरों पर रोजी-रोटी का संकट

स्थानीय मछुआरों के अनुसार, आज हालत यह हो गई है कि दिन भर नदी में जाल डालने के बाद भी ज़्यादा मछलियाँ नहीं पकड़ी जातीं। इस वजह से रोज़ का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। कुछ परिवारों को पैसे की तंगी की वजह से कर्ज़ लेना पड़ रहा है, और युवा पीढ़ी को इस पारंपरिक काम से हटकर दूसरा काम ढूंढना पड़ रहा है। नदी पर रोज़ी-रोटी का आधार कमज़ोर होने की वजह से कई लोगों की ज़िंदगी अनिश्चित है।

जागरूकता जरूरी

स्थानीय नागरिक और पर्यावरणविद भी नदी प्रदूषण को लेकर चिंता जता रहे हैं। यह कहा जा रहा है कि इंडस्ट्रियल गंदे पानी पर सख्त कंट्रोल रखना, गाँवों में गंदे पानी का सही तरीके से ट्रीटमेंट करना और नदी के किनारों पर बढ़ते प्लास्टिक कचरे को कंट्रोल करना ज़रूरी है। पर्यावरणविदों का यह भी मानना है कि नदी संरक्षण के लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता, रेगुलर सफ़ाई अभियान और प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई समय की ज़रूरत है।

एकता नगर के निवासी बदहाल जिंदगी गुजारने पर मजबूर

- खाने-पीने का सामान नहीं, बच्चे स्कूल नहीं जा रहे

अंबरनाथ. उल्हासनगर के एकता नगर में 31 घरों को प्रशासन ने पूरी तरह ध्वस्त करके उन्हें खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर कर दिया है. उनके पास खाने-पीने के लिए कुछ नहीं बचा है. घर टूटने के बाद भी यहां के निवासी घर के टूटे मलबे पर, गटर के पास रात में सो रहे हैं. दोपहर में कड़ी धूप में उनके छत नहीं होने से वह धूप में इसलिए बैठे हैं ताकि प्रशासन उन्हें घर के बदले में घर देगा. यहां के बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं क्योंकि उनकी कापियां, किताबें सब महापालिका द्वारा तोड़े गए घर के मलबे में दब गए हैं. वह पढ़ना चाहते हैं, लेकिन उनकी मदद के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है. शिवमंदिर सुशोभिकरण के नाम पर उनके घरों को ध्वस्त कर दिया गया है, ऐसा आरोप पीड़ित महिलाओं ने लगाते हुए कहा है कि भोलेबाबा भगवान ने कभी ये नहीं कहा है कि गरीबों को कष्ट दिया जाए. उनके घर तोड़े जाएं. उनका ये भी कहना है कि गत 35 से 40 वर्षों से वह यहां रहते हैं. उन्हें प्रशासन ने घर बनाकर दे. इसी मांग को लेकर तोड़े गए 31 घर के निवासी सोमवार को अंबरनाथ नगर परिषद कार्यालय पर मोर्चा लाने वाले हैं. ये मोर्चा आक्रामक ना हो जाए इसके लिए नपा कार्यालय के आसपास पुलिस, महिला पुलिस का पहरा बढ़ा दिया गया था. घर टूटने के बाद ये सभी गरीब निवासी अपने टूटे घर के आसपास ही रात-दिन डेरा डाले कर बैठे हैं. वह पूरी तरह बरबाद हो चुके हैं. प्रशासन ने उनके रहने का प्रबंध करे, ऐसा शहरवासियों का कहना है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

51 अस्पतालों को रियायती जमीन

अस्पताल सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं का महत्त्वपूर्ण केंद्र होते हैं। इसी आधार पर निजी अस्पतालों के निर्माण के लिए सरकार की ओर से रियायती दर पर जमीन उपलब्ध कराई जाती है। मगर इसमें कुछ नियम-शर्तें भी लागू होती हैं, जिनमें आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों के लिए तयशुदा सीमा में मुफ्त इलाज की सुविधा भी शामिल है।

मगर इन नियमों का पूरी तरह पालन हो रहा है या नहीं, इसकी चिंता शायद ही सरकार या अस्पताल प्रबंधन को होती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली के 51 अस्पतालों को नोटिस भेजकर नियमों का पालन नहीं करने पर कारण स्पष्ट करने को कहा है। साथ ही पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाए।

ऐसे में सवाल है कि जो जिम्मेदारी सरकार की है, वह कार्य शीर्ष अदालत को क्यों करना पड़ रहा है? आखिर क्या वजह है कि नियमों की अनदेखी को सरकारी तंत्र में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है?

दरअसल, केंद्र सरकार ने वर्ष 2012 में एक नीति लागू की थी, जिसके तहत दिल्ली में गरीब लोगों के लिए निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा का प्रावधान था। इसके मुताबिक, निजी अस्पतालों के निर्माण के लिए इस आधार पर रियायती दर पर जमीन उपलब्ध कराई जाएगी कि उनके आंतरिक रोगी विभाग में कम-से-कम दस फीसद और बाह्य रोगी विभाग में पच्चीस फीसद गरीबों का निशुल्क उपचार किया जाएगा।

वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने रियायत पर जमीन लिए दिल्ली के सभी निजी अस्पतालों को सरकार के इन नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद अगर कोताही बरती जा रही है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? जाहिर है, निजी अस्पतालों में नियमों के अनुसार गरीबों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें, यह सुनिश्चित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी सरकार की है। और अगर अदालती निर्देश के बाद भी सरकारी तंत्र तथा निजी अस्पताल इस मसले को गंभीरता से नहीं लेते हैं, तो इसे किस रूप में देखा जाएगा? ऐसे में जरूरी है कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए, ताकि व्यवस्था पर आम लोगों का भरोसा बना रहे।

विचार: नए नेपाल के निर्माण का जनादेश

नेपाल के लोकतांत्रिक इतिहास में एक नया अध्याय लिखा जा चुका है। आम चुनावों के नतीजों ने स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) देश की पहली लगभग पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने जा रही है। इस जीत के नायक 35 वर्षीय बालेंद्र शाह उर्फ बालेन हैं, जिनका प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा है।

नेपाल में इस राजनीतिक बदलाव की नींव सितंबर 2025 में जेन-जी युवा आंदोलन ने रखी थी। नेपाल के राजनीतिक इतिहास में, जहां हर वर्ष दर्जनों नए दल बनते और मिटते हैं, जहां नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-एमाले और माओवादी केंद्र जैसे दशकों पुराने पारंपरिक दलों का एकछत्र वर्चस्व रहा है, जहां शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और गगन थापा जैसे दिग्गजों ने लंबे समय तक सत्ता की धुरी को नियंत्रण में रखा, जहां राजनीति सदैव पहाड़ बनाम मधेश, धार्मिक ध्रुवीकरण और नृजातीय समीकरणों के तराजू में तौली जाती रही है। ऐसे जटिल परिवेश में जिस दल की स्थापना महज चार वर्ष पूर्व हुई हो, उसकी ऐसी अभूतपूर्व चुनावी जीत कल्पना से परे थी।

इस चुनावी सुनामी के पीछे दो प्रमुख कारण दिखते हैं। पहला, नए नेपाल की परिकल्पना का मूल आधार एक ऐसे राष्ट्र की स्थापना था, जो भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार और राजनीतिक अस्थिरता से मुक्त हो। इस यात्रा की औपचारिक शुरुआत वर्ष 2008 में राजशाही के अंत और लोकतंत्र की स्थापना के साथ हुई। माना गया था कि सैकड़ों वर्षों के राजतंत्र, जिसमें सत्ता

दरबार के वफादारों तक सीमित थी और जनता का एक बड़ा वर्ग हाशिये पर था, उसका अंत लोकतांत्रिक व्यवस्था से होगा।

विडंबना यह रही कि 2008 के बाद जो भी राजनीतिक दल उभरे, उनकी कार्यशैली और जड़ें पुरानी व्यवस्था से ही प्रभावित थीं। यद्यपि माओवादी दलों पर भी सत्ता की लोलुपता हावी रही। परिणामस्वरूप लोकतंत्र आने के बावजूद आम जनता को कोई वास्तविक राहत नहीं मिल सकी। नेपाल के पिछले 18 वर्षों के लोकतांत्रिक यात्रा में चार आम चुनावों के दौरान देश ने एक दर्जन से अधिक प्रधानमंत्री और दर्जनों उप-प्रधानमंत्री बदलते देखे हैं।

राजनीतिक उठापटक के कारण कोई भी सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। इस अनिश्चितता के बीच जनता ने आरएसपी को पूर्ण बहुमत देकर न केवल राजनीतिक अस्थिरता को समाप्त किया है, बल्कि गठबंधन की मजबूरियों वाली राजनीति का भी अंत कर दिया है। चूंकि आरएसपी का कोई विवादास्पद पुराना इतिहास नहीं था, इसलिए जनता ने बालेन शाह के नेतृत्व पर अटूट भरोसा जताया।

दूसरा, आरएसपी की जीत का श्रेय नेपाल के युवाओं को भी जाता है, जिन्होंने बालेन शाह को एक नए नेपाल के उद्भव का महत्वपूर्ण कारक माना। बालेन पेशे से इंजीनियर रहे हैं और बाद में रैप संगीत की दुनिया में उतरे। अपने संगीत के माध्यम से उन्होंने ऐसे सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को उठाया, जिनसे न केवल युवा, बल्कि आम जनता भी जुड़ पाई। यही कारण था कि जब उन्होंने 2022 में काठमांडू के मेयर का चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ा तो उन्हें भारी जीत मिली। देश को बालेन के रूप में एक नया नेता तो मिल गया था, लेकिन किसी राजनीतिक दल के समर्थन के बिना राष्ट्रीय राजनीति के शीर्ष तक पहुंचना आसान नहीं था।

पुराने दलों को कमजोर किए बिना यह संभव भी नहीं था और यही काम जेन जी आंदोलन ने किया। हालांकि युवाओं ने बालेन को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने का न्योता दिया था, लेकिन उसकी अवधि केवल छह महीने की थी, जबकि बालेन का सपना पांच वर्षों और उससे आगे की राजनीति का था। ऐसे में उन्होंने अंतरिम नेतृत्व स्वीकार करने के बजाय चुनावी रास्ता चुना और उसमें विजयी हुए। आरएसपी पत्रकार से राजनेता बने रबी लामिछाने के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ी, जो अपने पहले ही चुनाव में 2022 में 20 सीटों के साथ एक वैकल्पिक राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरी थी। आरएसपी के पास युवाओं की मजबूत अपील है, लेकिन बालेन जैसे लोकप्रिय नेता के जुड़ जाने से पार्टी को और अधिक मजबूती मिली और अब उसके परिणाम भी सामने हैं।

तेल संकट : जंग की आंच बाजार तक

जब दो या अधिक देशों के बीच युद्ध का मोर्चा खुलता है, तो उसका असर सिर्फ इस रूप में सामने नहीं आता कि एक-दूसरे पर किए गए हमले के नतीजे में जानमाल की व्यापक क्षति होती है। बल्कि जंग के लंबा खिंचने पर कई स्तरों पर जरूरी सामग्री की आपूर्ति बाधित होती है और नतीजतन बाजार में लगभग सभी चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ने लगती हैं।

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद जिस बात का डर था, उसकी शुरुआत अब हो चुकी है। यानी जो देश इस जंग में शामिल नहीं हैं, उन तक भी इसकी आंच पहुंचनी शुरू हो चुकी है। हाल ही में भारत के शेयर बाजार पर भी इसका असर देखा गया, जहां बड़ी गिरावट की वजह से निवेशकों को लगभग उन्नीस लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

चूंकि युद्ध की तीव्रता में फिलहाल कोई नरमी नहीं देखी जा रही है, इसलिए यह स्थिति अभी कायम रहने की आशंका है। मगर इससे इतर अब युद्ध का असर देश के आम लोगों के घर के दरवाजे तक पहुंचना शुरू हो चुका है। मसलन, रसोई गैस की कीमत में साठ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है।

कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने की वजह से भारत सहित अन्य कई देशों को नए रास्तों की ओर देखना पड़ रहा

है। इस बीच कच्चे तेल की कीमतों के सौ डालर प्रति बैरल तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि बाजार के इस रुख का असर कहां तक जा सकता है और अगर युद्ध लंबा खिंचा, तो वैसे देशों में कैसी मुश्किल पैदा होगी, जहां की अर्थव्यवस्था और जीवनयापन का एक बड़ा हिस्सा बाहर से आपूर्ति पर निर्भर है।

इजरायली हमले के बाद प्रतिक्रिया में ईरान ने जो रुख अख्तियार किया है, उससे पहले ही कई मुख्य तेल उत्पादक देशों में असुरक्षा का माहौल है। फिर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के रास्ते को ईरान ने जिस तरह बाधित कर दिया है, उससे दुनिया के एक बड़े हिस्से में तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी।

होर्मुज की नाकाबंदी की वजह से उस इलाके में फंसे जहाजों को लंबा रास्ता तय करना होगा। भारत के सामने ही स्थिति यह है कि इसके पास अगले छह से आठ हफ्ते का तेल भंडार है। स्वाभाविक ही भारत को अब तेल के लिए अन्य वैकल्पिक स्रोतों की ओर देखना होगा।

राहत की बात यह है कि एक ओर रूस ने भारत को तेल बेचने की पेशकश की, तो दूसरी ओर अमेरिका ने भी इस मसले पर नरम रुख अपनाया है। इसके बावजूद पश्चिम एशिया में चल रहे इस युद्ध का असर केवल वैश्विक स्तर पर तेल और गैस के बाजारों पर ही नहीं पड़ा है, बल्कि तनाव में बढ़ोतरी कई बड़े उद्योगों के लिए भी चिंता का कारण बन रहा है, क्योंकि इस क्षेत्र के लिए कच्चे माल की आपूर्ति भी बाधित हो रही है।

खासतौर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल आना और इसका असर बाजार में अन्य लगभग सभी सामान पर पड़ना तय माना जा रहा है। दरअसल, इसके समांतर माल ढुलाई के महंगा होने की वजह से सब्जियों से लेकर दूसरी कई जरूरी चीजों के दाम भी बढ़ेंगे।

निश्चित रूप से इससे प्रभावित देशों को अपने स्तर पर विकल्प और समाधान निकालने की जरूरत है। मगर सवाल है कि क्या युद्ध में शामिल देशों को इस बात की फिक्र है कि उनकी वजह से दुनिया भर में आम लोगों के सामने अपनी अनिवार्य जरूरतें पूरी करने के लिए जद्दोजहद के कितने मोर्चे खुल गए हैं।

बिजली का ऐसा खौफ कि 7 साल से अंधेरे में है परिवार

जरा हट के

आज के आधुनिक युग में बिजली जीवन की प्राथमिक जरूरत बन चुकी है. लेकिन राजस्थान के पाली जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर, 1857 की क्रांति के लिए प्रसिद्ध ऐतिहासिक गांव आऊवा में एक परिवार ऐसा भी है, जो विकास की इस दौड़ से कोसों दूर अंधेरे में रहने को मजबूर है. 45 वर्षीय सालाराम अपनी पत्नी डिंपल और 7 बच्चों के साथ एक कच्चे मकान में रहते हैं. सालाराम मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं.

7 साल पहले तक उनके घर में भी बिजली का कनेक्शन था, लेकिन एक दिन अचानक घर के आंगन में बिजली का तार गिर गया. उस समय पूरा परिवार घर के पिछले कमरों में था. सालाराम बताते हैं कि अगर वे उस दिन घर पर नहीं होते, तो पूरा परिवार मौत के मुंह में समा सकता था. उस मंजर ने उनके दिल में ऐसा खौफ पैदा कर दिया कि उन्होंने बिजली का कनेक्शन ही कटवा दिया.

सालाराम कहते हैं, "मेरी रूह कांप उठती है यह सोचकर कि अगर मैं उस दिन घर पर नहीं होता तो क्या होता. मैंने अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए कनेक्शन कटवा दिया और उन्हें बिना बिजली के जीना सिखाया." सूरज ढलने के साथ ही इस परिवार की दिनचर्या सिमट जाती है. शाम ढलने से पहले ही रसोई का काम निपटा लिया जाता है. अगर अंधेरा हो जाए, तो मिट्टी के दीये की हल्की रोशनी में खाना बनता है. स्कूल जाने वाले बच्चे दीये की लौ के सामने बैठकर अपना होमवर्क पूरा करते हैं. वहीं घर में सिर्फ एक मोबाइल है, जिसे चार्ज करने के लिए पड़ोसी के घर का सहारा लेना पड़ता है. गर्मी और उमस से बचने के लिए पूरा परिवार आंगन में खुले आसमान के नीचे सोता है.

बिजली के डर से दूर रहने वाले इस परिवार का पीछा खतरों ने यहां भी नहीं छोड़ा. इसी साल 24 जनवरी 2026 को, जब दीये की रोशनी में खाना बन रहा था, तब सालाराम की 15 वर्षीय बेटी किरण के कपड़े दीये की लौ की चपेट में आ गए. इस हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गई. इसके बाद उसे पाली के बांगड़ अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा.

हरी मिर्च का चटपटा अचार

खाना-खजाना

सामग्री

- हरी मिर्च (कम तीखी या मध्यम तीखी) : 250 ग्राम
- नींबू का रसः 4 से 5 बड़े नींबू (या आधा कप सफेद सिरका)
- पीली सरसों : 3 बड़े चम्मच
- सौंफ (दरदरी पिसी हुई): 2 बड़े चम्मच
- हल्दी पाउडरः 1 छोटा चम्मच
- काला नमकः 1 छोटा चम्मच
- सफेद नमकः स्वादानुसार
- हींगः 2 चुटकी

बनाने की विधि

सबसे पहले हरी मिर्च को पानी से अच्छी तरह धो लें। इसके बाद इन्हें एक साफ सूती कपड़े पर फैलाकर पंखे की हवा में या थोड़ी धूप में सुखा लें। ध्यान रहे कि मिर्च पर पानी की एक बूंद भी नहीं रहनी चाहिए, वरना अचार जल्दी खराब हो सकता है। जब मिर्च पूरी तरह से सूख जाएं, तो उनके ऊपर के डंठल तोड़ कर अलग कर दें। अब हर मिर्च के बीच में एक लंबा चीरा लगाएं ताकि मसाला अंदर तक अच्छी तरह भर सके। एक साफ और सूखे बाउल में पिसी हुई राई, सौंफ, हल्दी, काला नमक, सफेद नमक और हींग को एक साथ मिला लें। राई और नींबू का रस ही इस अचार में प्रिजर्वेटिव का

काम करेंगे और वह खट्टापन लाएंगे जो तेल वाले अचार में होता है। अब इस सूखे मसाले में नींबू का रस या सिरका डाल दें और अच्छे से मिलाएं। नींबू का रस मसाले को हल्का गीला कर देगा, जिससे इसे मिर्च के अंदर भरना बहुत आसान हो जाएगा। अब एक-एक करके चीरा लगी हुई मिर्च लें और उसके अंदर यह नींबू वाला चटपटा मसाला अच्छी तरह से भर दें। अगर आपके पास समय कम है, तो आप मिर्च को छोटे टुकड़ों में काटकर सीधा मसाले में भी मिला सकते हैं। तैयार की गई इन मसालेदार मिर्चों को एक साफ और सूखे कांच के जार में भर लें। अगर बाउल में थोड़ा बहुत मसाला या नींबू का रस बच गया है, तो उसे भी जार के ऊपर से डाल दें। इस जार को 2 से 3 दिन तक धूप में रखें। धूप से राई अपना खट्टापन छोड़ देगी और अचार का स्वाद निखर कर आएगा। जार को दिन में एक बार हल्के हाथों से जरूर हिलाएं ताकि रस और मसाला ऊपर-नीचे हो जाए। जब भी अचार निकालें, हमेशा एक सूखी और साफ चम्मच का ही इस्तेमाल करें।

ट्रेकिंग लवर्स के लिए स्वर्ग है उत्तराखंड का 'पंचाचूली पर्वत'

मार्च से जून के बीच बनाएं घूमने का प्लान

क्या आप जानते हैं कि उत्तराखंड के कुमाऊं अंचल में बर्फ की सफेद चादर ओढ़े पांच ऐसी भव्य हिमालयी चोटियां हैं, जो सीधा आसमान को छूती हुई सी लगती हैं? इन्हें 'पंचाचूली पर्वत' कहा जाता है। ये खूबसूरत पहाड़ कुमाऊं क्षेत्र के पूर्वी भाग में दारमा घाटी के दुग्तू गांव के करीब स्थित हैं। अगर आप इन शानदार पर्वतों का सबसे मनमोहक नजारा देखना चाहते हैं, तो समुद्र तल से लगभग 2,200 मीटर की ऊंचाई पर बसे मुनसियारी हिल स्टेशन से बेहतर कोई जगह नहीं है।

क्या है इस नाम के पीछे की पौराणिक कथा?

आखिर इन पर्वतों का नाम 'पंचाचूली' ही क्यों पड़ा? इसके पीछे महाभारत काल की एक बेहद रोचक मान्यता जुड़ी है। 'पंचाचूली' का अर्थ होता है- पांच चूल्हे यानी खाना पकाने की अग्नि। पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब पांचों पांडव अपनी जीवन यात्रा समाप्त कर स्वर्ग की ओर प्रस्थान कर रहे थे, तो उन्होंने अपना आखिरी भोजन इसी जगह पर पकाया था। उन पांच भाइयों के इन्हीं पांच चूल्हों की याद में इन गगनचुंबी पर्वतों को 'पंचाचूली' का नाम दिया गया।

चुनौतियों से भरा है यह बर्फीला सफर

इन चोटियों की ऊंचाई 6,334

मीटर से लेकर 6,904 मीटर के बीच है। अत्यधिक ऊंचाई होने के कारण यहां अक्सर बर्फीले तूफान आते हैं और बड़े-बड़े ग्लेशियर मौजूद हैं, जो इसकी चढ़ाई को बेहद चुनौतीपूर्ण बना देते हैं। यही वजह है कि यह स्थान विशेष रूप से अनुभवी और साहसी पर्वतारोहियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। अगर आप यहां की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मार्च से जून और सितंबर से नवंबर के बीच का समय सबसे अनुकूल माना जाता है।

ट्रेकिंग के शौकीनों के लिए है किसी स्वर्ग के समान

पंचाचूली का इलाका ट्रेकिंग करने वालों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां कई ऐसे ट्रेक मौजूद हैं, जहां से प्रकृति के बेहद मनोरम दृश्य दिखाई देते हैं। यहां के कुछ सबसे प्रसिद्ध ट्रेक मार्ग इस प्रकार हैं:

खालिया टॉप ट्रेक: यह एक ऐसा मार्ग है जहां से पंचाचूली पर्वतों का सबसे अद्भुत और स्पष्ट नजारा देखने को मिलता है।

मिलम ग्लेशियर ट्रेक: यह एक लंबा और साहसिक रास्ता है, जो पुराने समय के प्राचीन और व्यापारिक मार्गों से होकर गुजरता है।

रालम ग्लेशियर ट्रेक: अगर आप प्रकृति के बीच शांति पाना चाहते हैं, तो यह ट्रेक आपके लिए है। यहां भीड़भाड़ कम होती है और यह प्राकृतिक सुंदरता से लबालब भरा हुआ है।

आज का राशिफल

मेष : स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

मिथुन : दुःखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क : भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा।

सिंह : घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी।

कन्या : यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा।

तुला : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु : नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। बड़ा कार्य करने का मन बनेगा। जोखिम न उठाएं।

मकर : किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें। धन प्राप्ति होगी। प्रमाद न करें।

कुंभ : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे। धनार्जन संभव है।

मीन : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सिरदर्द और चिड़चिड़ापन भी करता है पानी की कमी का इशारा

दिनभर की भागदौड़ में अक्सर हम घंटों तक पानी नहीं पीते हैं। बाहर से तो हमें सिर्फ गला सूखने या मांसपेशियों में हल्की जकड़न का एहसास होता है, लेकिन शरीर के अंदर एक अलग ही उथल-पुथल चल रही होती है। जी हां, पानी की कमी होने पर हमारी कोशिकाएं सिकुड़ने लगती हैं। शरीर में बचे हुए पानी को सुरक्षित रखने के लिए हमारी किडनी भी एक्स्ट्रा मेहनत करती है, जिसकी वजह से पेशाब का रंग गहरा पीला हो जाता है।

थोड़ी-सी मेहनत में ही सांस फूलना

पानी की कमी से आपके शरीर में खून की कुल मात्रा घट जाती है। इसका सीधा असर आपके दिल पर पड़ता है, जिसे खून सप्लाई करने के लिए सामान्य से ज्यादा जोर लगाना पड़ता है। नतीजतन, आराम करते समय भी आपकी धड़कन तेज हो सकती है और आपको भयंकर थकान लग सकती है। इस स्थिति में डॉगी को वॉक पर ले जाना या जिम में एक्सरसाइज करना पहाड़ चढ़ने जैसा मुश्किल लग सकता है, क्योंकि मांसपेशियां जल्दी थक जाती हैं।

सिरदर्द और चक्कर आना

कम पानी पीने से दिमाग के टिश्यू कुछ समय के लिए सिकुड़ सकते हैं, खासकर दिमाग का वह हिस्सा जो हमारे दर्द को महसूस करता है। इसके साथ ही शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन भी डगमगा जाता है। बता दें,

इन दोनों बदलावों का सीधा परिणाम सिरदर्द और चक्कर आने के रूप में सामने आता है।

त्वचा का अपनी चमक खो देना

खूब पानी पीने से एजिंग की प्रक्रिया भले ही न रुकती हो, लेकिन पानी की कमी आपको समय से पहले बूढ़ा जरूर दिखा सकती है। जी हां, डिहाइड्रेशन से त्वचा रूखी, बेजान और झुर्रियों वाली हो जाती है। इसकी पहचान के लिए डॉक्टर अक्सर मरीजों की त्वचा को खींचकर देखते हैं- अगर त्वचा तुरंत अपनी जगह पर वापस नहीं जाती, तो यह गंभीर डिहाइड्रेशन का संकेत माना जाता है।

पेट साफ न होना

आपके पाचन तंत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए पानी बहुत जरूरी है। जब आप पानी कम पीते हैं, तो आपकी आंतें मल से ज्यादा से ज्यादा पानी सोखने लगती हैं। इससे वह सख्त हो जाता है और कब्ज की परेशानी शुरू हो जाती है। इतना ही नहीं, 2024 के एक अध्ययन से यह भी साबित हुआ है कि आंतों को हानिकारक कीटाणुओं से बचाने और अच्छे बैक्टीरिया को बनाए रखने के लिए पर्याप्त पानी पीना बेहद जरूरी है।

बिना बात के गुस्सा आना

क्या आप जानते हैं कि पानी की कमी की मार सबसे पहले आपके दिमाग पर पड़ती है? अगर आपके शरीर में मात्र 1 से 2 प्रतिशत पानी कम हो जाए, तो किसी भी काम में ध्यान लगाना मुश्किल हो जाता है। आप अपना काम तो जैसे-तैसे निपटा लेंगे, लेकिन आपको बेवजह चिड़चिड़ापन और तनाव महसूस होगा। इसके अलावा, पानी की कमी से दिमाग में खून का बहाव प्रभावित होता है, जिससे व्यक्ति को दर्द का एहसास भी ज्यादा होने लगता है।

घुटने के पिगमेंटेशन को कम करने का घरेलू नुस्खा

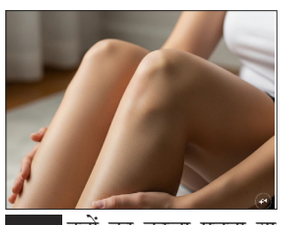

घुटनों का काला पड़ना या पिगमेंटेशन कई लोगों की आम समस्या है. अक्सर धूप, डेड स्किन, रगड़ या सही देखभाल न करने की वजह से घुटनों की त्वचा धीरे-धीरे डार्क दिखाई देने लगती है. ऐसे में लोग कई तरह की क्रीम और ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं, लेकिन कुछ घरेलू उपाय भी इस समस्या को कम करने में मदद कर सकते हैं. इन्हीं में से एक है आलू का रस, जिसे सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो त्वचा की रंगत बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है.

घुटनों की त्वचा शरीर के अन्य हिस्सों की तुलना में थोड़ी मोटी होती है. इसके अलावा बैठने-उठने के दौरान होने वाली लगातार रगड़ की वजह से इस हिस्से में डेड स्किन ज्यादा जमा होने लगती है. धीरे-धीरे यह डेड स्किन पिगमेंटेशन को बढ़ा सकती है और घुटने काले नजर आने लगते हैं. कई बार धूप का असर, ड्राई स्किन और सही मॉइस्चराइजिंग न होने की वजह से भी यह समस्या बढ़ जाती है. इसलिए घुटनों की त्वचा की नियमित सफाई और देखभाल करना जरूरी माना जाता है.

आलू का रस त्वचा के लिए एक लोकप्रिय घरेलू उपाय माना जाता है. इसमें मौजूद एंजाइम और हल्के ब्लीचिंग गुण त्वचा की रंगत को साफ करने में मदद कर सकते हैं. इसके साथ ही आलू में एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ रखने में सहायक होते हैं. जब आलू के रस को सही तरीके से लगाया जाता है तो यह धीरे-धीरे डार्कनेस कम करने और त्वचा को थोड़ा साफ दिखाने में मदद कर सकता है.

इस उपाय को करने के लिए सबसे पहले एक कच्चा आलू लें और उसे कद्दूकस कर लें. इसके बाद उसका रस निकाल लें. अब इस रस में थोड़ा सा नींबू का रस मिला लें. नींबू में मौजूद विटामिन C त्वचा की रंगत को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है. तैयार मिश्रण को घुटनों पर लगाएं और हल्के हाथों से 5 से 10 मिनट तक मसाज करें. इसके बाद इसे लगभग 10 से 15 मिनट तक लगा रहने दें और फिर साफ पानी से धो लें. हफ्ते में 2 से 3 बार इस उपाय को करने से धीरे-धीरे घुटनों की त्वचा में सुधार दिखाई दे सकता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

हवालात का गेट खुलवाकर भागे दो गैंगस्टर, पुलिस ने 2 घंटे में दबोचा

सिद्धार्थनगर. उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में शनिवार को एसओजी और शोहरतगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने 25-25 हजार रुपये के इनामी दो गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया था, लेकिन रविवार की सुबह पेट दर्द का बहाना बना कर दोनों शातिर संतरी से लॉकअप खुलवाकर फिर फरार हो गए। हालांकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई और घेराबंदी के चलते दोनों को करीब दो घंटे के भीतर दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना से पुलिस महकमे में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। जिले के एसएसपी डॉ अभिषेक महाजन ने रविवार शाम पुलिस लाइंस सभागार में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि शनिवार को एसओजी और शोहरतगढ़ पुलिस की टीम ने कस्बे के प्लाइवुड तिराहे से दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान अतुल उर्फ इन्द्र कपूर उर्फ इन्द्रजीत उर्फ साका पुत्र बलिराम और मो. रकीब उर्फ झीनक पुत्र ढोला उर्फ सरदार हुसैन निवासी नीबी दोहनी, थाना शोहरतगढ़ के रूप में हुई है।

IFS अफसर बनकर नौकरी और प्रमोशन दिलाने के नाम पर ठगी, यूपी पुलिस ने धर दबोचा

कुशीनगर. उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में पुलिस ने खुद को भारतीय विदेश सेवा (IFS) का अधिकारी बताकर लोगों से ठगी करने वाले एक शातिर व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने और कर्मचारियों को प्रमोशन कराने का झांसा देकर उनसे पैसे वसूलता था। आरोपित अपनी जाल में कई युवाओं को फंसा चुका है। पुलिस के अनुसार, यह मामला रविन्द्र नगर क्षेत्र का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि पवन चौहान नाम का एक व्यक्ति खुद को IFS अधिकारी बताकर ग्रामीण इलाकों के युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का लालच दे रहा है और उनसे ठगी कर रहा है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस टीम ने रविवार को कुशीनगर के हाटा कोतवाली क्षेत्र के अवरवा गांव निवासी पवन चौहान को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से कई संदिग्ध और जाली दस्तावेज बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक फर्जी पहचान पत्र, दो जाली आधार कार्ड, एक मतदाता पहचान पत्र, पांच एटीएम कार्ड, तीन मुहरें, एक डायरी और दो प्रोटोकॉल पेपर समेत कई दस्तावेज जब्त किए हैं।

लखनऊ में 5 बच्चों की मां की निर्मम हत्या

लखनऊ. लखनऊ के निगोहां थाना क्षेत्र के शेखनखेड़ा गांव में रविवार रात घरेलू विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। पुलिस के अनुसार शेखनखेड़ा गांव में अपनी ससुराल में रह रहे राजेश रावत का रविवार रात पत्नी राजेश्वरी (46) से किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर राजेश ने कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में राजेश्वरी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी घर से फरार हो गया। राजेश रावत मूल रूप से नगराम थाना क्षेत्र के अक्कूदू गांव का रहने वाला है। वह पिछले करीब दो वर्षों से अपनी ससुराल शेखनखेड़ा में ही रह रहा था। दंपति के पांच बच्चे हैं—गुलशन (22), मंजीत (20), अजय (18), रजनीश (15) और आयुष (7)। घटना के समय परिवार के बड़े बेटे गुलशन समेत अन्य बच्चे पड़ोस में रहने वाले बलराम के बेटे के पांव पुज्जी कार्यक्रम में गए हुए थे।

भारत में बढ़ने वाली है तेल की किल्लत?

- मिडिल ईस्ट में जंग के बीच महाराष्ट्र में खास आदेश

संभाजी नगर. मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के बीच महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में एक खास आदेश जारी हुआ है। यह आदेश तेल को लेकर दिया गया है। इसमें तेल और गैस कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि आवश्यक कार्य में लगे सरकारी वाहनों के लिए ईंधन स्टोर किया जाए। सूत्रों के मुताबिक यह निर्देश मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष के चलते वाहन आपूर्ति में होने वाली बाधा को लेकर जारी किया गया है।

- क्या है निर्देश

जिला आपूर्ति अधिकारी ने भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के रिटेल सेल्स अधिकारियों को एक पत्र में कहाकि युद्ध जैसी स्थिति ने पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई चेन टूटने का खतरा पैदा कर दिया है। पांच मार्च को जारी किए इस पत्र में प्रशासन ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे पेट्रोल पंपों को

सरकारी वाहनों के लिए विशेष रूप से पेट्रोल और डीजल के पर्याप्त स्टॉक आरक्षित करने का निर्देश दें। खासतौर पर उन वाहनों के लिए जो तालुका और जिला स्तर पर आपातकाल और अनिवार्य सेवाओं में शामिल हैं।

- कम हुआ है तेल उत्पादन

गौरतलब है कि इराक़, कुवैत और यूएई ने अपना तेल उत्पादन कम कर दिया है। जबकि ईरान, इजरायल और अमेरिका ने इस महीने की शुरुआत में विवाद के बाद से तेल और गैस ठिकानों पर हमले किए हैं। इससे तेल और गैस सप्लाई को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस बीच कच्चे तेल की कीमत सोमवार को 26 फीसदी से बढ़कर प्रति बैरल 10,549 रुपए के उच्च स्तर पर पहुंच गई।

- तेल संकट पर वित्त मंत्री ने क्या कहा

उधर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहाकि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का महंगाई पर खास असर पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि देश में मुद्रास्फीति पहले से ही अपने निचले स्तर के करीब है। सीतारमण ने लोकसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में कहाकि वैश्विक कच्चे तेल और भारतीय बास्केट (अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों का भारांश औसत, जिनकी खरीद भारतीय रिफाइनरी करती हैं) दोनों की कीमतों में पिछले एक वर्ष से लगातार गिरावट का रुख था। 28 फरवरी, 2026 को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से इसमें तेजी आई है।

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा

- चर्चा की मांग
- सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नई दिल्ली. संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन की लोकसभा की कार्यवाही खत्म हुई। विपक्ष ने अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा किया। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा।

सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे, लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है, जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जबाव दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया।

वहीं, आज विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है।

राज्यसभा में जब जयशंकर संबोधन दे रहे थे तब विपक्ष ने राज्यसभा का वॉक आउट किया। लोकसभा में उनके संबोधन के दौरान विपक्ष ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए, खबू हंगामा किया। चेयर के बार-बार बोलने पर भी विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए थे। राज्यसभा की कार्यवाही अभी जारी है।

ईरान के साथ खुलकर आया रूस

- पुतिन बोले- हमारा समर्थन अटूट...
- मोजतबा को बधाई

मॉस्को. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रूस मौजूदा संघर्ष के बीच ईरान के साथ मजबूती से खड़ा है। पुतिन ने मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया नेता बनने पर बधाई भी दी और तेहरान को 'अटूट समर्थन' देने की बात दोहराई। पुतिन ने कहा कि रूस अपने ईरानी मित्रों के साथ एकजुटता व्यक्त करता है और कठिन परिस्थितियों में भी ईरान के साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि मोजतबा खामेनेई अपने पिता अली खामेनेई के कार्यों को

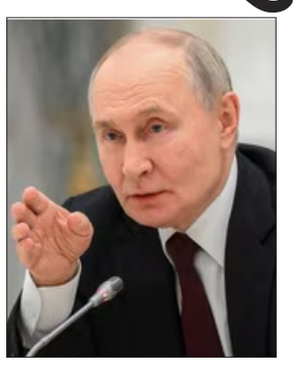

आगे बढ़ाते हुए ईरानी जनता को एकजुट करेंगे।

पुतिन ने कहा कि ऐसे समय में, जब ईरान सशस्त्र हमलों का सामना कर रहा है, इस पद पर नेतृत्व करना साहस और समर्पण की बड़ी परीक्षा होगी। इससे पहले पुतिन ने शुक्रवार देर रात ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से फोन पर बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई, उनके परिवार के सदस्यों, राजनीतिक और सैन्य नेताओं तथा कई नागरिकों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की।

यूक्रेन संकट के लिए पश्चिम को ठहराया जिम्मेदार

इसी बीच पुतिन ने यूक्रेन संकट को भड़काने के लिए पश्चिमी देशों को जिम्मेदार ठहराया। सरकारी टीवी कार्यक्रम 'मॉस्को, क्रेमलिन, पुतिन' को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि यूक्रेन में सत्ता परिवर्तन के लिए पश्चिमी देशों के समर्थन से ही यह संघर्ष शुरू हुआ। पुतिन के अनुसार, संकट की शुरुआत यूक्रेन में तख्तापलट के समर्थन, फिर क्रीमिया की घटनाओं और उसके बाद दक्षिण-पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में हुए संघर्ष से हुई। उन्होंने कहा कि इसमें रूस की भूमिका नहीं थी, बल्कि यह पश्चिमी देशों की नीतियों का परिणाम है।

- शांति वार्ता पर अनिश्चितता

पुतिन का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब रूस और यूक्रेन के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में प्रस्तावित शांति वार्ता का अगला दौर अनिश्चित बना हुआ है। रूसी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के नेतृत्व पर यूरोपीय देशों को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि यह स्थिति ऐसी है, जहां एक छोटे समूह को संतुष्ट करने के लिए बड़े समूह को कदम उठाने पड़ते हैं।

- ईरान ने सीजफायर से किया इनकार

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने युद्धविराम की किसी भी संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने साफ शब्दों में कहा कि जब तक देश पर हमले जारी रहेंगे, तब तक तेहरान अपनी रक्षा के लिए दृढ़ रहेगा और दुश्मनों को करारा जवाब देता रहेगा। उधर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को बधाई दी। पुतिन ने कहा कि रूस मौजूदा संघर्ष में ईरान के साथ अटूट और मजबूती से खड़ा है।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और तनाव के बीच ईरान ने युद्धविराम की किसी भी बात को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक देश पर हमले जारी रहेंगे, तब तक तेहरान अपनी रक्षा और दुश्मनों के खिलाफ करारा जवाब देने पर ही केंद्रित रहेगा। स्टूडेंट न्यूज नेटवर्क को दिए इंटरव्यू में बगाई ने कहा कि रक्षा और दुश्मनों के खिलाफ मजबूत जवाबी कार्रवाई के अलावा किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा का कोई मतलब नहीं है।

कर्नाटक में बढ़ी हलचल

- CM पद की अटकलों के बीच दिल्ली निकले शिवकुमार
- साथ में मल्लिकार्जुन खरगे भी

बेंगलूरु. कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नई दिल्ली दौरे ने विधानसभा के बजट सत्र के बाद राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को फिर से हवा दे दी है। सरकारी और पार्टी सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार रविवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ कलबुर्गी से राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हुए।

इससे पहले दिन में, दोनों नेताओं ने जिले के चित्तपुर में 1,069 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत की थी। मीडिया के साथ साझा किए गए शिवकुमार के यात्रा कार्यक्रम के अनुसार, वह एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नयी दिल्ली गये हैं और सोमवार सुबह बेंगलुरु लौटेंगे।

- सिद्धारमैया क्या बोले

मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवकुमार के साथ जारी खींचतान के बीच, सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा था कि अगर कांग्रेस आलाकमान उन्हें अवसर देता है तो वह दो और बजट पेश कर सकते हैं। सिद्धरमैया ने शुक्रवार को राज्य के वित्त मंत्री के रूप में अपना रिकॉर्ड 17वां बजट पेश किया।

कहा जा रहा है कि शिवकुमार के समर्थक कुछ विधायक दिल्ली जाकर पार्टी आलाकमान के सामने अपने नेता को विधानसभा के बजट सत्र के बाद मुख्यमंत्री बनाए जाने की इच्छा व्यक्त चुके हैं। यह बजट सत्र 27 मार्च को समाप्त होगा। इस बीच, शिवकुमार 10 मार्च को सभी मंत्रियों, कांग्रेस विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे, जो कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में उनके छह साल पूरे होने का जश्न होगा।

- पहले भी दे चुके संकेत

शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि वह 'अत्यंत धैर्य' रखे हुए हैं और उन्हें किसी भी प्रकार की क्रांति में शामिल होने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उन्हें खुद पर विश्वास है और उम्मीद है। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख शिवकुमार ने कहा कि उन्हें न तो स्वार्थ के लिए किसी भी तरह की 'ब्लैकमेलिंग' में दिलचस्पी है और न ही कांग्रेस के लिए किसी तरह की परेशानी पैदा करने में। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि वह मैदान में उतरकर लड़ने वाले व्यक्ति हैं, लेकिन उनकी लड़ाई कभी भी पार्टी के भीतर नहीं होती।

शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा था, 'आज तक मैंने मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर कभी कुछ नहीं कहा है। हमारे बीच के मुद्दे, मेरे, मुख्यमंत्री और पार्टी आलाकमान तक ही सीमित हैं।

प्रधानमंत्री संसद से भाग गए -राहुल गांधी

नई दिल्ली. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट पर केंद्र सरकार की चुप्पी और संसद में चर्चा न होने पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्रीय संघर्ष से भारत की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होने वाला है। राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि यह संकट एक बड़े पैराडाइम शिफ्ट की ओर इशारा कर रहा है, जिससे देश को आर्थिक रूप से गहरा झटका लगेगा। उन्होंने हालिया स्टॉक मार्केट में आई गिरावट का उदाहरण देते हुए कहा कि बाजार पहले ही इस प्रभाव को महसूस कर चुका है। राहुल ने सवाल उठाया कि क्या पश्चिम एशिया का मुद्दा इतना महत्वहीन है

कि इस पर चर्चा नहीं हो सकती? उन्होंने जोर देकर कहा कि ईंधन की कीमतें बढ़ना और आर्थिक तबाही जैसे जनता से जुड़े मुद्दे संसद में प्राथमिकता से उठाए जाने चाहिए।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ हाल ही में हुए समझौते ने देश को कमजोर स्थिति में डाल दिया है। उन्होंने दावा किया कि यह डील प्रधानमंत्री की मजबूरी या ब्लैकमेल का नतीजा है, जिससे भारत के हितों पर समझौता हुआ है। कांग्रेस सासंद ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा से बच रही है क्योंकि बहस छिड़ने पर पीएम की कमजोर स्थिति और समझौते के पीछे की वजहें सामने आ जाएंगी। उन्होंने इसे सार्वजनिक महत्व का मामला बताते हुए मांग की कि पहले इस पर चर्चा हो, उसके बाद अन्य मुद्दों पर बात की जा सकती है।

पीएम मोदी अब संसद में नहीं आ पाएंगे...

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर संसद से भागने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी अब संसद में नहीं आ पाएंगे। इससे पहले, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया संकट के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने सोमवार को लोकसभा में कहा कि उस क्षेत्र में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अमेरिका और इजरायल ने बीते 28 फरवरी को ईरान पर बड़ा सैन्य हमला किया था, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। अधिकारियों के अनुसार, युद्ध में अब तक ईरान में कम से कम 1,230 लोग, लेबनान में 397 और इज़राइल में 11 लोग मारे गए हैं।

कांग्रेस नेता की छिनी विधायकी

भोपाल. मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने श्योपुर की विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा के निर्वाचन को रद्द करते हुए उनका चुनाव शून्य घोषित कर दिया है। अदालत ने यह महत्वपूर्ण फैसला भाजपा नेता और पूर्व मंत्री रामनिवास रावत की ओर से दाखिल की गई चुनाव याचिका पर सुनवाई के बाद सुनाया। पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने अपनी याचिका में मुकेश मल्होत्रा पर चुनावी हलफनामे में आपराधिक रिकॉर्ड छिपाने के आरोप लगाए थे। बता दें कि पूर्व राज्यमंत्री और आदिवासी नेता मुकेश मल्होत्रा ने कांग्रेस का हाथ थामा था। उन्होंने मुरैना जिले में आयोजित प्रियंका गांधी की चुनावी सभा में सदस्यता ली थी। विधानसभा चुनाव 2023 में मुकेश मल्होत्रा विजयपुर सीट से निर्दलीय मैदान में उतरे थे। उन्हें 45 हजार वोट मिले थे। मुकेश विजयपुर विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हैं। वह पहले में बीजेपी में थे।

प्रधानमंत्री संसद से भाग गए, अंदर नहीं आ पाएंगे अब, देख लेना

- राहुल गांधी ने साधा निशाना

नई दिल्ली. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट पर केंद्र सरकार की चुप्पी और संसद में चर्चा न होने पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्रीय संघर्ष से भारत की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होने वाला है। राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि यह संकट एक बड़े पैराडाइम शिफ्ट की ओर इशारा कर रहा है, जिससे देश को आर्थिक रूप से गहरा झटका लगेगा। उन्होंने हालिया स्टॉक मार्केट में आई गिरावट का उदाहरण देते हुए कहा कि बाजार पहले ही इस प्रभाव को महसूस कर चुका है। राहुल ने सवाल उठाया कि क्या पश्चिम एशिया का मुद्दा इतना महत्वहीन है कि इस पर चर्चा नहीं हो सकती? उन्होंने जोर देकर कहा कि ईंधन की कीमतें बढ़ना और आर्थिक तबाही जैसे जनता से जुड़े मुद्दे संसद में प्राथमिकता से उठाए जाने चाहिए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ हाल ही में हुए समझौते ने देश को कमजोर स्थिति में डाल दिया है। उन्होंने दावा किया कि यह डील प्रधानमंत्री की मजबूरी या ब्लैकमेल का नतीजा है, जिससे भारत के हितों पर समझौता हुआ है। कांग्रेस सासंद ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा से बच रही है क्योंकि बहस छिड़ने पर पीएम की कमजोर स्थिति और समझौते के पीछे की वजहें सामने आ जाएंगी। उन्होंने इसे सार्वजनिक महत्व का मामला बताते हुए मांग की कि पहले इस पर चर्चा हो, उसके बाद अन्य मुद्दों पर बात की जा सकती है।

4% घटा भारत का हथियार आयात

फिर भी दूसरा सबसे बड़ा खरीदार, पहले पर कौन?

नई दिल्ली. आजादी के बाद से ही भारत अपने रक्षा क्षेत्र के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहा है। सीमा पर चीन और पाकिस्तान की चुनौती और बढ़ती अर्थव्यवस्था से भारत लगातार वैश्विक हथियार बाजार में एक बड़ा ग्राहक बना हुआ है। सोमवार को जारी 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट(सिपरी)' की रिपोर्ट के मुताबिक 2016-20 के मुकाबले 2021-2025 में भारत का रक्षा आयात 4 फीसदी तक घट गया है। हालांकि, इसके बाद भी भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बना हुआ है, जो वैश्विक हथियार आयात का 8.2 फीसदी हिस्सा मंगवाता है। वहीं, रूस के साथ युद्ध में उलझा यूक्रेन दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है, जो कि वैश्विक हथियार निर्यात का 9.7 फीसदी हिस्सा मंगवाता है।

सिपरी की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ समय से भारत लगातार अपनी हथियार निर्माण क्षमता को

बढ़ा रहा है। यही वजह है कि उसका आयात पिछले वर्षों की तुलना में इन वर्षों में कम हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया,₹आयात में गिरावट का एक कारण यह भी है कि भारत अपनी हथियार प्रणालियों को स्वयं डिजाइन और उत्पादन करने की क्षमता बढ़ा रहा है, हालांकि घरेलू उत्पादन में अक्सर काफी देरी होती है। लेकिन भारत के हालिया या प्रस्तावित ऑर्डर, जिनमें फ्रांस से 140 तक लड़ाकू विमान और जर्मनी से 6 पनडुब्बियों की खरीद को मंजूरी, यह दिखाते हैं कि भारत अब भी विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर है और आने वाले समय में भी उसके निर्भर रहने की संभावना है।₹

रूस से निर्भरता घटा रहा भारत : रिपोर्ट

सिपरी की रिपोर्ट के मुताबिक एक समय तक भारत के ज्यादातर हथियार सोवियत या रूस द्वारा बनाए हुए होते थे। लेकिन पिछले कुछ सालों में भारत ने अपने हथियारों के लिए रूस पर से निर्भरता कम करने की कोशिश की है। इसमें भारत ने अपना झुकाव अमेरिका की तरफ न करते हुए फ्रांस, इजरायल की तरफ किया है। इसके अलावा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में भी लगातार काम हो रहा है। हालांकि, अभी भी रूस भारत का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता देश है, जबकि फ्रांस और इजरायल क्रमशः दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप - भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराया

- भारत ने 3 साल में 3 ICC ट्रॉफी जीतीं
- एक टी-20 वर्ल्डकप में 100+ सिक्स लगाए
- संजू ने कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा

अहमदाबाद. भारत ने तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 5 विकेट पर 255 रन बनाए, न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर ऑलआउट हो गई।

इस जीत के साथ भारत ने तीन साल में तीसरी ICC ट्रॉफी अपने नाम कर ली। साथ ही टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में 100 से ज्यादा छक्के लगाने

वाली पहली टीम बनी, जबकि संजू सैमसन ने टूर्नामेंट में एक एडिशन में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाकर विराट कोहली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

- भारत ने 3 साल में 2 टी-20 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी जीती

भारत ने सिर्फ तीन साल के भीतर तीन ICC ट्रॉफियां अपने नाम कर लीं। टीम ने 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर 17 साल बाद यह खिताब हासिल किया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम कर जीत की लय बरकरार रखी और अब 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर भारत ने तीन साल में तीसरी ICC ट्रॉफी हासिल कर ली।

टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में दो-दो बार हारने वाली टीमों में पाकिस्तान, श्रीलंका और न्यूजीलैंड शामिल हैं। पाकिस्तान 2007 और 2022 में, श्रीलंका 2009 और 2012 में, जबकि न्यूजीलैंड 2021 और 2026 में फाइनल हार चुका है।

- भारत 3 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहला देश

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में नया अध्याय लिख दिया। टीम इंडिया 2024 के बाद 2026 में भी चैंपियन बनी और टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। इसके साथ ही इंडिया तीन टी-20 वर्ल्ड कप (2007, 2024 और 2026) जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गया।

अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में जीत के साथ भारत ने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी जीती। इससे पहले टीम ने 2007 में साउथ अफ्रीका और 2024 में वेस्टइंडीज में खिताब जीता था। अब भारत के नाम तीन टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी हो गई हैं, जबकि वेस्टइंडीज और इंग्लैंड दो-दो बार ही यह खिताब जीत सके हैं।

- भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा बार 200+ का स्कोर बनाया

इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा बार 200+ का स्कोर बनाने वाली टीम बन गई। टीम इंडिया ने अब तक सात बार 200+ रन बनाए हैं। इस रिकॉर्ड में साउथ अफ्रीका 6 बार 200+ स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड 4-4 बार यह आंकड़ा पार कर चुके हैं। टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 250+ स्कोर बनाने के मामले में भी भारत टॉप पर है। टीम इंडिया अब तक सात बार 250 से ज्यादा का स्कोर बना चुकी है। इस रिकॉर्ड में IPL टीम सनराइजर्स हैदराबाद 5 बार 250+ स्कोर के साथ दूसरे नंबर पर है। भारत ने 2026 में चार बार 250+ स्कोर बनाया, जो किसी भी टीम से एक साल में सबसे ज्यादा है।

संक्षेप...

पत्रकार शैलेश तिवारी के पिता अविनाश तिवारी का निधन

कल्याण. वरिष्ठ पत्रकार शैलेश तिवारी के पिता अविनाश तिवारी का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से परिवार और परिचितों में शोक की लहर है।

अविनाश तिवारी का अंतिम संस्कार कल्याण पूर्व के विठ्ठलवाड़ी श्मशान भूमि में किया गया, जहां उनके बड़े पुत्र शैलेश तिवारी ने मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा चिंचपाड़ा रोड स्थित उनके निवास स्थान से निकाली गई, जिसमें परिवारजन, पत्रकार मित्र और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

महिलाओं के लिए 'पिंक OPD'

■ 9.84 लाख लड़कियों को HPV वैक्सीनेशन देने का लक्ष्य

मुंबई. राज्य में लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए, 9 से 14 साल की करीब 9 लाख 84 हज़ार लड़कियों को HPV वैक्सीनेशन देने के कैंपेन और एक पिंक OPD की शुरुआत यहां डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने की।

इंटरनेशनल विमेंस डे के मौके पर पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट की तरफ से ऑर्गनाइज़ इस प्रोग्राम में हेल्थ मिनिस्टर प्रकाश अबितकर, हेल्थ स्टेट मिनिस्टर मेघना बोर्डीकर, प्रिंसिपल सेक्रेटरी निपुण विनायक, कमिश्नर डॉ. कंदबारी बलकावड़े वगैरह मौजूद थे।

इंटरनेशनल विमेंस डे के मौके पर पब्लिक हेल्थ के फील्ड में शानदार काम करने वाली महिला डॉक्टरों, सर्जनों, नर्सों और हेल्थ वर्कर्स को सम्मानित किया गया।

आज की बिज़ी लाइफस्टाइल, बदले हुए खान-पान और बढ़ते स्ट्रेस में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। इसलिए, बीमारी का इलाज करने से पहले बचाव के उपाय करना बहुत ज़रूरी है, शिंदे ने कहा। उन्होंने कहा कि सरकार का HPV वैक्सीनेशन इस दिशा में एक तारीफ़ के काबिल कदम है। राज्य में 9 से 14 साल की लड़कियों को HPV वैक्सीन लगाने के लिए एक बड़ा कैंपेन चलाया जा रहा है, जिससे सर्वाइकल कैंसर को असरदार तरीके से रोका जा सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस बारे में एक्टिव कदम उठा रही है, जबकि कैंसर दुनिया भर में एक गंभीर हेल्थ प्रॉब्लम बनता जा रहा है।

मुख्यमंत्री रहते हुए शुरू किए गए 'मदर इज सेफ, फैमिली इज सेफ' इनिशिएटिव को याद करते हुए, शिंदे ने कहा कि उस कैंपेन में 3 करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की गई थी। उनमें से लगभग 10 हज़ार महिलाओं में कैंसर का जल्दी पता चला था। यह सच में खुशी की बात है कि कई माताओं और बहनों को बचाया जा सका क्योंकि बीमारी का शुरुआती स्टेज में ही पता चल गया था।

हाल ही में शुरू की गई आठ मैमोग्राफी स्क्रीनिंग गाड़ियों के ज़रिए गांवों में स्क्रीनिंग चल रही है, और अब तक 2 करोड़ 91 लाख महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ज़रूरत पड़ने पर और गाड़ियां देने के लिए डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग कमेटी और सरकार फंड देगी।

मधुवन गोशाला के लिए भूदान

ठाणे. वरिष्ठ समाज सेवी एवं भाजपा राष्ट्रीय परिषद के पूर्व सदस्य ओमप्रकाश शर्मा की धर्मपत्नी उमादेवी शर्मा का गत दिनों दुखद निधन हो गया। उनकी मालिकी की जमीन उनकी स्मृति में गोशाला के लिए दान देने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि उमादेवी शर्मा अपने जीवनकाल में सामाजिक कार्यों में सक्रिय रही, अब उनके निधन के बाद उनके उद्देश्यों की पूर्ति और समाज सेवा को आगे बढ़ाने के लिए उमादेवी की जमीन का भूदान किया जा रहा है।

पालघर जिले के वाडा तालुका में उमादेवी ओमप्रकाश शर्मा की मालिकी की जमीन गोशाला के दान की जा रही है। ठाणे में महिलाओं का एक दल बनाकर गणगौर पूजा का आयोजन शुरू किया था. उक्त जमीन पर उमादेवी ओमप्रकाश शर्मा स्मृति मधुवन गोशाला शुरू किया जायेगा। आज जहां जमीन के लिए लोग अपने रिश्तों को भुलाकर मरने मारने पर उतर जाते हैं वहीं विनोबा भावे की परंपरा को ध्यान में रखते हुए भूदान कर रहे हैं।स्वर्गीय उमादेवी शर्मा राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यों और गणगौर पूजा कार्यक्रम में सक्रिय रहती थीं। उनकी सहयोगी रही महिला दल की सदस्य सुमन अत्री, डॉ सविता इंदौरिया, रमा गौड़, सुलोचना शर्मा, संतोष सैनी, सुलोचना डोकवाल, सुमन शर्मा, बिंदु भोमिया, प्रेम शर्मा, बबली शर्मा, मनीषा शर्मा, रंजना गुप्ता, रीना शर्मा, मंजू भिंडा, सविता भिंडा, देवी ओझा, विमला मिश्रा आदि ने इस योजना की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने हो रहे राज्य सभा चुनाव में उम्मेदवार बनाने के लिए महाराष्ट्र सरकार के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के सरकारी आवास पर अपने सह कारियों के साथ गुलदस्ता देकर उनका दिल से आभार व्यक्त किया है। तस्वीर में विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पूर्व मंत्री अविनाश महातेकर भी दिखाई दे रहे हैं ।

मुंबई-गोवा महामार्ग पूरा होने से पहले ही टोल वसूली?

■ एक हफ़्ते में जारी होगा नोटिफिकेशन

मुंबई. मुंबई-गोवा हाईवे पर अब सफ़र के लिए टोल देना होगा। इस बारे में एक हफ़्ते में नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा। लेकिन हाईवे का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। इसलिए, क्या काम पूरा होने से पहले टोल वसूली होगी? यह सवाल उठ रहा है।

■ हाईवे का काम अधूरा, टोल वसूली होगी

इस बीच, 13 साल से रुके हुए मुंबई-गोवा हाईवे का काम अधूरा होने के बावजूद यात्रियों से टोल वसूली की जा रही है। हाईवे पर जगह-जगह बने टोल बूथों को चालू करने की कोशिशें शुरू हो गई हैं। हाईवे अथॉरिटी के सूत्रों ने बताया है कि इस बारे में अगले हफ़्ते नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा। अगर ये टोल बूथ शुरू हो जाते हैं, तो कोंकण आने वाले यात्रियों को सफ़र के लिए पैसे देने होंगे। यह काम फंड की कमी, कॉन्ट्रैक्टर के काम न करने और ज़मीन अधिग्रहण में दिक्कतों की वजह से रुका हुआ है।

■ टोल बूथ कहाँ हैं?

रायगढ़ जिले में पहले फेज में दो जगहों, खारपड़ा और खांब पर टोल देना होगा। जबकि दूसरे फेज में पोलादपुर के पास लोहारे में टोल लिया जाएगा। खारपाड़ा और खांब में टोल बूथ बनाने का काम तेज हो गया है। टोल बूथों की मरम्मत और रेनोवेशन हो गया है। टोल बूथों पर सिग्नल सिस्टम भी चालू कर दिया गया है। टोल कर्मचारियों के लिए केबिन नए बनाए गए हैं। इसलिए, ऐसा लगता है कि हाईवे पर टोल बूथ जल्द ही चालू हो जाएंगे। साथ ही, टोल की रकम अभी साफ नहीं होगी। टोल का नोटिफिकेशन अगले हफ्ते जारी किया जाएगा। उसके बाद ही यह साफ होगा कि सफर के लिए कितना टोल देना होगा, ऐसा हाईवे अथॉरिटी के सीनियर अधिकारियों ने बताया।

हाईवे के काम में सालों की देरी की वजह से कंपनियों पर सरकार की पेनल्टी

कुछ दिन पहले कोंकणवासी प्रवास ने 13 साल से रुके काम की वजह से बहुत गुस्सा दिखाया था। जो बाद में सरकारी कार्रवाई के तौर पर सामने आया। जिसकी वजह से सरकार ने हाईवे के काम में सालों से देरी करने वाली दो बड़ी कॉन्ट्रैक्टर कंपनियों पर पेनल्टी का ब्रह्मास्त्र चलाया। काम की डेडलाइन पूरी न होने और यात्रियों को गड्ढों से होकर सफर करने की वजह से HMPL कंपनी पर कुल 16 करोड़ रुपये, ईगल कंपनी पर 11 करोड़ रुपये और ईगल कंपनी पर 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। हालांकि, यह काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

■ सड़क का काम कहां अधूरा है?

नागोठाणे में फ्लाईओवर का काम अधूरा है। दोनों तरफ की सर्विस रोड भी खराब हालत में है। कोलाड में फ्लाईओवर और सर्विस रोड का काम चल रहा है। इस बीच, माणगांव और इंदापुर में बाईपास का काम अधूरा है और मई के आखिर तक इन दोनों जगहों पर ट्रैफिक के लिए एक-एक लेन खोलने का प्लान है।

भिवंडी मनपा में पहली आम महासभा पर ही लगा ग्रहण

■ अपरिहार्य कारण बताकर रद्द हुई महासभा

■ चुनाव के 2 माह बाद भी भिवंडी विकास कार्य से दूर

भिवंडी. भिवंडी मनपा चुनाव सम्पन्न हुए करीब 2 माह हो गए हैं. महापौर चयन के करीब 20 दिन बाद भी 9 मार्च को घोषित पहली मनपा महासभा अपरिहार्य कारणों का हवाला देते हुए नगर सचिव ने रद्द कर दी है.करीब साढ़े 3 वर्षों प्रशासकीय राज खत्म होने के उपरांत हुए मनपा चुनाव के बाद पहली महासभा रद्द होने से भिवंडी करों में विकास कार्य शुरू नहीं होने से भारी नाराजगी फैली है.

गौरतलब हो कि,मनपा आम चुनाव 15 जनवरी को हुआ था.करीब 1माह बाद मनपा महापौर चुनाव हुआ जिसमें भाजपा के बागी नगरसेवक नारायण रतन चौधरी पार्टी व्हिप का उलंघन कर कांग्रेस की अगुवाई में बने हुए सेक्युलर फ्रंट के प्रत्याशी होकर महापौर चुने गए हैं.

स्थाई समिति के सदस्यों का नहीं हुआ फैसला तो रोकी महासभा

सूत्रों की माने तो 90 नगरसेवकों वाली भिवंडी मनपा में कांग्रेस के सर्वाधिक 30,भाजपा 22,शिवसेना 12,राकांपा 12,सपा 6,कोणार्क विकास आघाड़ी 4,भिवंडी विकास मंच 3 और अपक्ष 1 नगरसेवक चुने गए हैं .सूत्रों की माने तो,मनपा स्थाई समिति के 16 सदस्यों का चुनाव महासभा में होना था जो फिलहाल शायद राजनीतिक पार्टियों में सहमति नहीं होने से चुनाव लटक गया है . महासभा रद्द होने से महासभा में मंजूर होने वाले तमाम जरूरी कार्य भी अटक गए हैं .भिवंडी मनपा आम चुनाव एवं महापौर चयन के बाद होने वाली पहली महासभा रद्द होने से सेक्युलर फंट की मजबूती को लेकर शहरवासियों में संदेह पैदा होना शुरू हो गया है .देखना दिलचस्प होगा कि,अगली महासभा की तारीख की घोषणा कब होगी ? शहर विकास कार्यों की शुरुआत का अगला मुहूर्त कब निकलेगा ?

20 फरवरी को सम्पन्न हुए महापौर चुनाव के उपरांत 4 मार्च को नगरसचिव अजय पाटिल ने महापौर,उप महापौर से विचार विमर्श के उपरांत सोमवार 9 मार्च को पहली महासभा लगाए जाने की लिखितपत्र द्वारा सूचना सभी नगरसेवकों को दी थी.महासभा में उठाए जाने वाले प्रमुख मुद्दों में बरसात पूर्व नाला,गटर सफाई कार्यों पर चर्चा,मंजूरी सहित शहर की खस्ताहाल सड़कों की दुरुस्ती सहित अंजूर फाटा से धामणकर नाका रोड विस्तारीकरण में तोड़े गए दुकानों,मकानों को जल्द तोड़कर सड़क निर्माण किए जाने सहित 16 मनपा स्थाई समिति के सदस्यों का चुनाव किया जाना था.4 मार्च को महासभा हेतु निकाले गए एजेंडे को नगरसचिव अजय पाटिल द्वारा अचानक अपरिहार्य कारण दर्शाते हुए रद्द किए जाने से शहरवासियों में नाराजगी फैली है.

'प्रिंसेस बाय बर्थ, हिस्ट्री मेकर बाय चॉइस' पुस्तक का भव्य लोकार्पण

ठाणे. लेखिका गीतांजली झा की नई पुस्तक 'प्रिंसेस बाय बर्थ, हिस्ट्री मेकर बाय चॉइस' का भव्य लोकार्पण ठाणे के कोरम मॉल में किया गया। साहित्य प्रेमियों और पाठकों की उपस्थिति में आयोजित यह कार्यक्रम प्रेरणा और उत्साह से भरपूर रहा। इस कार्यक्रम की शुरुआत लेखिका के परिचय से हुई, जिसमें उनके लेखन सफर और उपलब्धियों के बारे में बताया गया। प्रिंसेस बाय बर्थ, हिस्ट्री मेकर बाय चॉइस उनकी तीसरी पुस्तक है। इससे पहले उन्होंने एफ फैक्टर (F Factor) और लव अरेंज्ड (Love Arranged) जैसी पुस्तकों का लेखन और प्रकाशन किया है। यह पुस्तक महान भारतीय महाकाव्य 'महाभारत' की उन स्त्रियों से प्रेरित है, जिन्होंने अपने निर्णयों, धैर्य, साहस और शक्ति से इस महागाथा की दिशा तय की।

पुस्तक में उन स्त्री पात्रों की कहानियों को सामने लाया गया है, जिनकी आवाज़ अक्सर इतिहास के पन्नों में अनसुनी रह जाती है, लेकिन जिनका प्रभाव अत्यंत गहरा रहा है।

गौरतलब है कि पुस्तक परिचय के बाद कार्यक्रम में महाभारत की स्त्रियों पर आधारित एक रोचक क्विज़ का आयोजन किया गया। जहां दर्शकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक हैम्पर्स और उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस गतिविधि ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को लेखिका से मिलने और पुस्तक की ऑटोग्राफ्ड कॉपी प्राप्त करने का भी अवसर मिला, जिसे पाठकों ने बड़े उत्साह से स्वीकार किया। कार्यक्रम का समापन केक कटिंग के साथ हुआ, क्योंकि इस समारोह में लेखिका गीतांजलि झा का जन्मदिन भी मनाया गया। इससे कार्यक्रम में खुशी और उत्सव का माहौल और भी बढ़ गया। प्रिंसेस बाय बर्थ, हिस्ट्री मेकर बाय चॉइस अब Amazon पर उपलब्ध है। यह पुस्तक पाठकों को प्रेरित करती है कि वे साहसी, मजबूत और आत्मविश्वासी बनें और अपनी ज़िंदगी की कहानी स्वयं लिखें, किसी और की कहानी के पात्र बनकर नहीं, बल्कि अपने जीवन के इतिहास निर्माता बनकर।

'प्रयास' नुक्कड़ नाटक श्रृंखला के माध्यम से

6 हजार श्रमिकों को दिया गया सुरक्षा का संदेश

ठाणे. मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के विभिन्न निर्माण स्थलों पर हजारों श्रमिक कार्यरत हैं। श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तथा सुरक्षा के महत्व को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) द्वारा नुक्कड़ नाटक श्रृंखला 'प्रयास' का आयोजन किया गया। 23 फ़रवरी से 7 मार्च 2026 तक आयोजित इस अभियान के दौरान मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के विभिन्न निर्माण स्थलों पर लगभग 6हजार श्रमिकों को कार्यस्थल सुरक्षा का संदेश दिया गया। दस दिनों तक चली इस श्रृंखला के माध्यम से श्रमिकों को कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम के दौरान कलाकारों द्वारा रोचक और प्रभावी प्रस्तुतियों के जरिए हेलमेट, हार्नेस बेल्ट, सेफ्टी शूज़ और पीपीई (Personal Protective Equipment) किट जैसे सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस पहल के अंतर्गत पूरे कॉरिडोर के 40 निर्माण स्थलों को शामिल किया गया, जिनमें गुजरात के 24 तथा महाराष्ट्र के 16 निर्माण स्थल शामिल हैं। इन स्थलों में स्टेशन, कास्टिंग यार्ड, सुरंग, डिपो, पुल और वायाडक्ट जैसे निर्माण कार्यस्थल सम्मिलित हैं, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं।इन नुक्कड़ नाटक के माध्यम से श्रमिकों को कई महत्वपूर्ण और व्यवहारिक सुरक्षा संदेश भी दिए गए, जिनमें स्वयं और सहकर्मियों की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी निभाना, शॉर्टकट से बचना और निर्धारित नियमों का पालन करना, बिना प्रशिक्षण के कार्य न करना, कार्य प्रारंभ करने से पहले संभावित जोखिमों का आकलन करना तथा कार्यस्थल की स्वच्छता और सावधानी बनाए रखना शामिल है।

सलमान के गाने पर थिरकीं ऐश्वर्या

■ नीता अंबानी और अभिषेक बच्चन भी साथ नजर आए;

■ सलाम-ए-इश्क' गाने पर डांस

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन हाल ही में एक शादी समारोह में शामिल हुए। मुदित अडाणी और अनन्या की इस वेडिंग सेरेमनी से ऐश्वर्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

वीडियो में ऐश्वर्या राय, रिलायंस इंडस्ट्रीज की चेयरपर्सन नीता अंबानी के साथ सलमान खान की फिल्म के मशहूर गाने 'सलाम-ए-इश्क' पर डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो में नीता अंबानी और ऐश्वर्या के साथ एक अभिषेक भी डांस फ्लोर पर नजर आ रहे हैं।

नीता अंबानी ने इस मौके पर हल्के नीले रंग का कढ़ाई वाला खूबसूरत लहंगा पहना था। वहीं, ऐश्वर्या राय गहरे नीले रंग के सूट सेट में दिखाई दीं। अभिषेक बच्चन ने सफेद पैंट के साथ नीला बंदगला पहना था। सभी मेहमानों ने मिलकर 'सलाम-ए-इश्क' गाने पर परफॉर्मेंस दी।

यह गाना फिल्म 'सलाम-ए-इश्कः ए ट्रिब्यूट टू लव' का है, जिसे शंकर-एहसान-लॉय ने कंपोज किया था।

अर्जुन तेंदुलकर की शादी में भी साथ पहुंचा था कपल

इस समारोह से पहले अभिषेक और ऐश्वर्या को क्रिकेट लेजेंड सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी में भी देखा गया था। अर्जुन और एंटरप्रेन्योर सानिया चांढोक की शादी 5 मार्च 2026 को मुंबई में हुई। बच्चन परिवार के ये दोनों सदस्य बॉलीवुड की ओर से शादी में पहुंचने वाले शुरुआती मेहमानों में शामिल थे। अर्जुन की शादी में ऐश्वर्या ने हैवी एम्ब्रॉयडरी वाला लाइट ब्लू सूट पहना था, जबकि अभिषेक ब्लैक बंदगला और व्हाइट पैंट में नजर आए थे।

मुंबई विश्वविद्यालय को पश्चिम क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में कांस्य पदक

SST कॉलेज के छात्र अनिकेत पोटावाड की भागीदारी

उल्हासनगर. एच.एस.एन.सी. विश्वविद्यालय, मुंबई द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2025–26 के लिए पश्चिम क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय शतरंज (पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मुंबई विश्वविद्यालय की टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया है और टीम का चयन अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

इस प्रतियोगिता में मुंबई विश्वविद्यालय की शतरंज टीम में एसएसटी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के छात्र अनिकेत पोटावाड ने प्रतिनिधित्व किया।

अनिकेत ने टीम के लिए उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

मुंबई विश्वविद्यालय की टीम ने पूरी प्रतियोगिता में बेहतरीन रणनीति, धैर्य और कौशलपूर्ण खेल का प्रदर्शन किया। इसके कारण टीम पश्चिम क्षेत्र के मजबूत विश्वविद्यालयों के बीच अपनी पहचान बनाने में सफल रही। इस उपलब्धि के कारण अब मुंबई विश्वविद्यालय की टीम अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेगी और देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों से मुकाबला करेगी। इस टीम के लिए अमित भोजने को कोच तथा उमेश सोनवणे को मैनेजर के रूप में नियुक्त किया गया है।

अनिकेत पोटावाड की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर एसएसटी महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण तथा क्रीड़ा विभाग ने उन्हें बधाई दी है और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ दी हैं। उनकी इस सफलता से अन्य विद्यार्थियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है।

सार्वजनिक सूचना / PUBLIC NOTICE

यह सार्वजनिक सूचना सर्वसाधारण को अवगत कराने के लिए जारी की जाती है कि मैं, कंचन देव बुधवानी, निवासी उल्हासनगर, जिला ठाणे, महाराष्ट्र, यह घोषित करती हूँ कि नीचे वर्णित संपत्ति मैंने श्री रमेश राजालदास मंचुंडिया से विधिवत रूप से विक्रय अनुबंध / Sale Deed दस्तावेज क्रमांक 3063 दिनांक 23/07/2013 के माध्यम से क्रय की है, जिसके आधार पर उक्त संपत्ति पर मेरा वैध एवं विधिक स्वामित्व स्थापित है।

संपत्ति का विवरण इस प्रकार है: Sheet No.: 61, Ward No.: 11, Sr. No.: 11/2257, Property Tax No.: 11BI015216900 पता: गुरु नानक निवास, A विंग, फ्लैट नं. 202, द्वितीय मंजिल, क्षेत्रफल लगभग 1661 वर्ग फुट, सेक्शन 7-B, हीरा मैरेज हॉल के निकट, गुजराती स्कूल के सामने, उल्हासनगर – 421002, जिला ठाणे, राज्य महाराष्ट्र।

यह भी सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त संपत्ति के पुराने Property Tax Record / Tax Receipt में स्वामी का नाम "Sunil C. Manwani" अंकित है, जो कि वास्तविक स्वामित्व के अनुरूप नहीं है।

अतः इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से यह स्पष्ट किया जाता है कि उक्त संपत्ति मैंने विधिवत रूप से क्रय की है तथा संपत्ति के कर अभिलेखों (Property Tax Records) में स्वामी का नाम "कंचन देव बुधवानी" दर्ज किया जाना अपेक्षित है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा पक्षकार को उपर्युक्त संपत्ति अथवा उसके स्वामित्व संबंधी किसी प्रकार की आपत्ति, दावा अथवा अधिकार प्रस्तुत करना हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर अपने समर्थक दस्तावेजों सहित कर विभाग अधिकारी, उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर, जिला ठाणे के समक्ष लिखित रूप में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा, निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति / दावा पर विचार नहीं किया जाएगा तथा अभिलेखों में आवश्यक परिवर्तन / कार्यवाही नियमानुसार कर दी जाएगी।

दिनांकः ____
स्थानः उल्हासनगर

हस्ताक्षर
कंचन देव बुधवानी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099